College : Vaishali Mahila College
Teacher's Name : SHIVI SINHA
Designation : Assistant Professor (Guest)
Class : B.A. PART-III
Subject | Paper : PAPER-V
PHILOSOPHY OF RELIGION.

Scanned with CamScanner

By, Shivi Sinha
Asst. Prof. (Guest)
VAISHALI MAHILA COLLEGE

Date ÷ 27/8/2020

Topic - Reason (continued-1)
विषय - बुद्धि (continued-1)

तर्क बुद्धि के सहारे ही धार्मिक व्यक्ति अपने धर्म के विविध पक्षों का ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम होता है। मनुष्य अपने धर्म के बारे में अधिक से अधिक जानना चाहता है, परन्तु पारिवारिक संस्कारों और अन्य स्त्रोतों से उसे जो जानकारी प्राप्त होती है उससे वह सन्तुष्ट नहीं रहता है। तर्क बुद्धि की सहायता से धार्मिक व्यक्ति अपने धर्म के स्वरूप, उसकी उत्पत्ति, उसके विकासक्रम और अन्य अपेक्षित जानकारियों का ज्ञान प्राप्त कर पाता है। इसी प्रकार धर्मावलम्बी व्यक्ति तर्क बुद्धि की सहायता से अपने धर्म की तुलना अन्य धर्मों से करने में सफल हो पाता है और अपने धर्म या अन्य धर्मों का सम्यक् मूल्यांकन करने में सक्षम हो जाता है।

पॉल टिलिक जैसे धर्म दार्शनिकों का मानना है कि धार्मिक विश्वास के लिए तर्कबुद्धि का उल्लेखनीय योगदान है। उनका कहना है कि ईसाई धर्म के सन्देश का स्पष्टीकरण मानव जाति के लिए तर्कबुद्धि के द्वारा ही संभव होता है। परन्तु ह्यूम औ कान्ट जैसे अनेक

Scanned with CamScanner

दार्शनिक ऐसे हैं जो धर्म का आधार तर्कबुद्धि को न मानकर आस्था को मान-ते हैं।

Scanned with CamScanner